वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2010-11

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
Central Board of Secondary Education

वार्षिक रिपोर्ट

Annual Report

2010-11

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

Central Board of Secondary Education

विषय सूची

प्राक्कथन

सीबीएसई – एक प्रगतिशील राष्ट्रीय बोर्ड	1
बोर्ड की संरचना	4
शैक्षिक सहभागिता	7
सूचना का अधिकार	8
प्रशासनिक परिवर्तन	10
राजभाषा का प्रचार–प्रसार	16
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम 2010	19
सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम 2010	21
सीबीएसई कांउसलिंग	29
ग्रेडिंग	33
सीबीएसई छात्र सार्वभौम अभिक्षमता निर्देशिका	36
छात्रवृत्ति योजना	41
शैक्षिक कार्यकलाप	44
समारोह तथा कार्यक्रम	69
सम्बद्धता	72

परिशिष्ट

I.	राजभाषा कार्यान्वयन समिति	73
II.	परिणाम विवरण कक्षा–XII 2010	74
III.	परिणाम विवरण कक्षा–X 2010	84
IV.	श्रेणीवार अंकों का वितरण कक्षा–XII	94
V.	श्रेणीवार अंकों का वितरण कक्षा–X	103
VI.	समग्र आंकड़े	109
VII.	क्षेत्रवार कक्षा XII तथा X में परीक्षार्थियों की संख्या में संवृद्धि	118
VIII.	विषयवार कट–ऑफ अंक तथा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र कक्षा–XII, X	121
IX.	एआईपीएमटी परीक्षा आंकड़ों पर एक दृष्टि	126
X.	एआईईईई आंकड़ों पर एक दृष्टि	128
XI.	सम्बद्ध विद्यालयों की सूची	129
XII.	सम्बद्ध विद्यालयों में संवृद्धि	131
XIII.	बोर्ड के शासी निकाय	135
XIV.	वित्त समिति	139
XV.	परीक्षा समिति	140
XVI.	सम्बद्धता समिति	141
XVII.	परिणाम समिति	142
XVIII.	एआईपीएमटी सलाहकार समिति	143
XIX.	पाठ्यचर्या समिति	144
XX.	31 मार्च 2010 को तुलन–पत्र	145
XXI.	एआईईईई कार्यान्वयन समिति	146
XXII.	राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार विजेता	148
XXIII.	सूचना अधिकार अधिनियम, 2005	152
XXIV.	प्रकाशनों की सूची	156
XXV.	बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र	161

Contents

Foreword		
CBSE - A Pace Setting National Board		1
Structure of the Board		4
Academic Partnerships		7
Right to Information Act		8
Administrative Changes		10
Propagation of Official Language		16
Senior School Certificate Examination Results 2010		19
Secondary School Examination Results 2010		21
CBSE Counselling		29
Grading		33
CBSE Students Global Aptitude Index		36
Merit Scholarship Schemes		41
Academic Activities		44
Events and Programmes		69
Affiliation		72
Appendices		
I.	Official Language Implementation Committee	73
II.	Result Details Class- XII 2010	74
III.	Result Details Class-X 2010	84
IV.	Gradewise Distribution of Marks Class- XII	94
V.	Gradewise Distribution of Marks Class-X	103
VI.	Overall Statistics	109
VII.	Region Wise Growth in No. of Candidates In Class - XII & X	118
VIII.	Subjectwise Cut-Off Score and Merit Certificates Class - XII & X	121
IX.	AIPMT Examination Statistics at a Glance	126
X.	AIEEE Examination Statistics at a Glance	128
XI.	Position of Affiliated Schools	129
XII.	Growth of Affiliated Schools	131
XIII.	Governing Body of the Board	135
XIV.	Finance Committee	139
XV.	Examination Committee	140
XVI.	Affiliation Committee	141
XVII.	Results Committee	142
XVIII.	Advisory Committee AIPMT	143
XIX.	Curriculum Committee	144
XX.	Balance Sheet as on 31st March 2010	145
XXI.	AIEEE Implementation Committee	146
XXII.	National Awards to Teachers	148
XXIII.	Right to Information Act, 2005	152
XXIV.	List of Publications	156
XXV.	Jurisdiction of Regional Offices of the Board	161

प्राक्कथन
Foreword

एक बार फिर से बोर्ड के लिए संतोष के साथ पिछले साल को मुड़कर देखने का समय आ गया है। बोर्ड की वर्ष 2010–11 की वार्षिक रिपोर्ट सभी के समक्ष रखते हुए मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है। रिपोर्टाधीन वर्ष अनेक कारणों से महत्वपूर्ण व संतोषजनक रहा है। स्कूल शिक्षा के बारे में सरकार की 100 दिन की कार्य सूची में निहित परिकल्पना देश भर में छात्रों के लिए कक्षा 9वीं व 10वीं में सतत व व्यापक मूल्यांकन योजना के कार्यान्वयन, कक्षा 10वीं की परीक्षा में ग्रेडिंग प्रणाली की शुरूआत और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा X की बोर्ड परीक्षा की समाप्ति के साथ अंततः साकार हुई।

इन सभी परिवर्तनों के साथ, तथापि, बोर्ड ने दसवीं कक्षा पास करने वाले छात्रों को भविष्य में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु एक अभिक्षमता निर्धारण बैटरी एवं दक्षता परीक्षा का निर्माण किया है। इन सभी प्रयासों में एक सामान्य कारक स्कूली शिक्षा के पूरे ढ़ांचे को शिक्षार्थी अनुकूल, समकालीन व भविष्यवादी बनाना है।

Once again, it is time for the Board to look back, with some satisfaction, on the year gone by. I feel privileged to present the Annual Report of the Board for the year 2010-2011. The year under report has been eventful and gratifying for many reasons. The government's vision as contained in the 100 days agenda on school education was finally achieved with countrywide implementation of the Continuous and Comprehensive Evaluation Scheme in classes IX & X, introduction of Grading System in Class X and phasing out Class X exams for students of Senior Secondary schools.

Along with these changes, however, the Board has also been able to construct an Aptitude Assessment Battery and Proficiency Test for the students who have passed out of Class X to provide a road map for future. The common factor running across these initiatives is to make the entire spectrum of school education learner friendly, contemporary and futuristic.

शैक्षणिक तौर पर कहा जाए, तो हम सभी जानते हैं कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अलावा सतत व व्यापक मूल्यांकन में भी समग्र एवं छात्र केन्द्रित शिक्षा के प्रयासों पर बल दिया गया है। ऐसी शिक्षा अनुभवात्मक अधिगम द्वारा संकल्पनात्मक स्पष्टीकरण पर केन्द्रित है इसमें जीवन कौशल, अभिवृति, रचनात्मक चिंतन, विवेचनात्मक सोच, सामाजिक कौशल और तनाव का सामना करने के कौशल का विकास करने के साथ–साथ दोनों शैक्षिक व सहशैक्षिक क्षेत्रों पर बल दिया गया है। इस योजना को कार्यान्वित करना काफी श्रमसाध्य था फिर भी बोर्ड ने एक कार्य–योजना बनाई व व्यापक स्तर पर अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संचालित किया। 6551 से अधिक विद्यालयों हेतु 2218 मास्टर प्रशिक्षक तैयार किए गए। इसके अतिरिक्त क्षमता निर्माण हेतु बोर्ड द्वारा मेन्टर/मॉनीटर ढांचा तैयार किया गया। इन 'मेन्टरों' ने मूल्यांकनकर्ताओं की भांति कार्य किया। बोर्ड ने 'मेन्टी' स्कूलों के समूह का दौरा करने, सीसीई योजना के कार्यान्वयन सम्बन्धी दस्तावेजों का निरीक्षण करने, कक्षा समीक्षा करने और बोर्ड को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 'मेन्टरों' के रूप में प्रधानाचार्यों की नियुक्ति की।

इस तैयारी के पश्चात्, कक्षा 9वीं व 10वीं की प्रथम सारांशात्मक निर्धारण परीक्षा सितम्बर 2010 में आयोजित की गई, जबकि सारांशात्मक निर्धारण–II परीक्षा मार्च 2011 में आयोजित की गई। बोर्ड ने सारांशात्मक निर्धारण केवल उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जो केवल माध्यमिक स्तर तक के विद्यालयों में अध्ययनरत थे, और उन विद्यार्थियों के लिए जो वरिष्ठ माध्यमिक स्तर में दूसरे बोर्डों में

Academically speaking, we all know that the emphasis of Child Centred Education as advocated by RTE as well as Continuous and Comprehensive Evaluation follows a holistic approach. This envisages conceptual clarification through experiential learning in classrooms as the focus is placed on both scholastic and co-scholastic areas along with developing Life Skills, attitudes, creative thinking, critical thinking, social skills and skills to cope with stress. The task of institutionalizing the scheme was however very arduous, yet, the Board devised an action plan and undertook extensive teacher training programmes. 2218 Master Trainers were prepared for more than 6551 schools. For further capacity building, Mentor/Monitor framework was initiated by the Board. These Mentors worked as peer assessors. The Board appointed Principals as Mentors to visit a group of Mentee schools, document observations with regard to the implementation of CCE scheme, classroom review and submit their report to the Board.

Subsequent to this preparation, the first Summative Assessment Examination for Class IX and X was conducted in September 2010 while Summative Assessment-II Examination was held in March 2011. The Board conducted this Summative Assessment-II examination for the students studying in schools upto secondary level only and for those students who wished to switchover to other Boards for

जाना चाहते थे। बोर्ड से संबद्ध उच्च्तर माध्यमिक स्तर तक के विद्यालयों को अपनी सारांशात्मक निर्धारण– II परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया गया था। बोर्ड ने इन विद्यालयों की सुविधा के लिए सारांशात्मक निर्धारण– II हेतु कक्षा 9वीं व 10वीं के लिए विभिन्न विषयों का पाठ्यक्रम व प्रश्नपत्र डिजाइन तैयार किया और विद्यालयों में वितरित किया।

मानकीकरण व एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ने विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक तैयार किए व सभी विद्यालयों को भेजे। इसके अतिरिक्त, आंतरिक मूल्यांकन में एकरूपता लाने के लिए बोर्ड, द्वारा इन प्रश्न पत्रों के लिए अंकन योजना भी प्रदान की गई। विद्यालयों को बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए प्रश्न पत्रों को पूर्ण रूप से या मेल–मिलान द्वारा विभिन्न प्रश्न पत्रों से प्रश्न चुनने या (नमूना प्रश्न पत्र में दिए गए ढाँचे या ब्लूप्रिंट के अनुसार) बोर्ड द्वारा प्रदान प्रश्न पत्रों के अनुसार अपने स्वयं के प्रश्न चुनने की छूट दी गई।

विद्यालयों को अप्रैल 2011 तक कक्षा 9वीं व 10वीं के छात्रों के लिए विद्यालयों द्वारा किए गए आंतरिक निर्धारण के आंकड़े बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए प्रारूप पर भेजने को कहा गया। यह आंकड़े ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा अप्रैल 2011 तक भेजे जाने थे। विद्यालयों द्वारा किए गए निर्धारण की जाँच करने के लिए बोर्ड ने कम्प्यूटर प्रोग्राम से चुने गए कुछ विद्यालयों को कक्षा 9वीं व/अथवा 10वीं के छात्रों के निर्धारण के प्रमाणों को बोर्ड में भेजने को कहा। विद्यालयों द्वारा भेजे गये निर्धारण के प्रमाणों की विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा संवीक्षा की गई।

the Senior Secondary stage. For the schools affiliated with the Board upto the Senior Secondary level the schools were directed to conduct their own Summative Assessment-II Examination. To facilitate these schools, the syllabus and question paper design in different subjects in Class IX and X for Summative Assessment-II was circulated by the Board.

To ensure standardization and uniformity the Board framed the question papers in different subjects and sent them to the schools. The Marking Scheme for these question papers was also provided by the Board to ensure uniformity in evaluation, even in the internal examinations. The schools were allowed to use the question papers provided by the Board in their entirety or mix-n-match the questions from the different question papers provided by the Board (keeping in mind the question paper framework/blueprint as per the Board's Sample Papers) or design their own question papers on the lines of the Sample question papers provided by the Board.

The schools were also asked to send data of Internal Assessments done by the school for the students of class IX and X to the Board in the format provided by the Board. This data was to be submitted online by April 2011. In order to verify the assessments done by the schools, the Board asked some of the randomly selected schools through a computer program to submit the Evidence of Assessments done by them in respect of the students of class IX and/or X. These Evidence of Assessments submitted by the schools were subsequently put to scrutiny by different experts.

बोर्ड वर्ष 2011 से सारांशात्मक निर्धारण–II परीक्षा में शामिल हुए उन विद्यार्थियों को चाहे यह निर्धारण बोर्ड संचालित एसए–II या विद्यालय द्वारा संचालित एसए–II हो एक समेकित अर्हक प्रमाण पत्र जारी करेगा।

अखिल भारतीय प्री–मेडिकल/प्री–डेन्टल परीक्षा-2010 का आयोजन सुचारू रूप से हुआ। अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा का 1623 परीक्षा केन्द्रों में 10 लाख से अधिक छात्रों के लिए आयोजित की गई। बोर्ड 2011 से इंजीनियरिंग छात्रों के लिए ऑन–लाइन परीक्षा प्रारंभ करने की योजना बना रहा है। प्रायोगिक तौर पर यह प्रत्येक नगर में अधिक से अधिक पांच हजार अभ्यर्थियों के लिए 20 नगरों में आयोजित की जाएगी।

वर्ष 2010 में माध्यमिक परीक्षा में कुल पास प्रतिशत 89.28 था जबकि कक्षा 12वीं में यह 79.87% था। कक्षा 10वीं के छात्रों के परिणाम में अंकों की जगह ग्रेड दिए गए थे और पास/फेल/कम्पार्टमेंट नहीं दर्शाया गया। इस प्रयास का उद्देश्य अंक प्रणाली को समाप्त करना व इस अवैज्ञानिक प्रणाली से पैदा होने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करना है।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर एक व्यक्ति की क्षमताऐं दूसरे से भिन्न तथा विशिष्ट होती है। इन क्षमताओं की पहचान करते हुए कार्य व जीवन के लिए एक व्यक्ति को तैयार करना शिक्षा के सबसे महत्वपूर्ण और अर्थपूर्ण उद्देश्यों में से है। किशोरावस्था के आरंभ के समय छात्र माध्यमिक शिक्षा के आसपास

The Board would be issuing a Consolidated Qualifying Certificate from 2011 onwards to all the students who appeared for the Summative Assessment-II Examination of the Board - regardless of it being Board conducted SA-II or School conducted SA-II.

The All India Pre Medical / Pre Dental Examination-2010 was conducted smoothly. The All India Engineering Entrance Examination which was held at 1623 examination centres for more than 10 lakhs students. The Board plans to introduce on-line examination for engineering students from 2011 onwards. As a pilot it will be done in 20 cities with a maximum of five thousand candidates in each city.

The overall pass percentage of Secondary School Examination in 2010 was 89.28% while it was 79.87% for the students of Class XII. The result of the students of class X had grades instead of marks and also without any mention of PASS/FAIL/COMPARTMENT. The idea behind this move is to demystify the marks system and the negative impact arising out of this unscientific practice.

Let us accept that each individual is unique with different sets of abilities. Identifying and optimizing these abilities, while preparing an individual for life and the world of work is one of the most important and meaningful purpose of education. The secondary stage coincides with the onset of adolescence and beginning of

होता है और चाहे ठोस रूप में न सही परंतु वह जीविका की अवधारणा करने लगता है। यह अवस्था सबसे अधिक निर्णायक पहलू होती हैं, क्योंकि यह जीवन में आगे चलकर उच्च शिक्षा व जीविका चयन को प्रभावित करती है। प्रायः विषयों का चयन अंकों, अभिभावक व सहपाठियों के दबाव या आदर्शों द्वारा प्रभावित होता है। इसलिए छात्रों को वास्तविक व अनुकूल दिशा प्रदान करना अनिवार्य है। एक आदर्श परिस्थिति में बच्चे को अपनी रूचि व क्षमता के अनुसार विषय चयन करने की अनुमति होनी चाहिए।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों की अभिरूचि के साथ रूचि का मापन करने के लिए छात्र सार्वभौम अभिरूचि निर्देशिका बनाने का एक विनम्र प्रयास किया है। सीबीएसई–एसजीएआई माध्यमिक कक्षा के छात्रों के लिए है, एवं विद्यालयों व छात्रों के लिए वैकल्पिक है। पारम्परिक अभिरूचि परीक्षण की तरह जो व्यावसायिक विन्यास को दर्शाते हैं, सीबीएसई–एसजीएआई+2 स्तर पर तक विषय विन्यासों को दर्शाती है।

सीबीएसई–एसजीएआई का प्रथम निर्धारण 22 जनवरी 2011 को किया गया जिसमें भारत व विदेशों में स्थित 3250 से अधिक विद्यालयों के 2.50 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों के साथ परामर्श करके टेस्ट बैटरी, प्रशिक्षण सामग्री, प्रश्न पुस्तिकाएं, अंक कुंजियाँ व स्कोर कार्ड सीबीएसई द्वारा तैयार किए गए थे और सभी प्रतिभागी विद्यालयों में वितरित किए गए। सीबीएसई–एसजीएआई का लक्ष्य एक छात्र को ''आत्म–ज्ञान'' से सशक्त बनाना है। तथापि इसे केवल, एक सूचक या एक सहायक के रूप में लिया जाना चाहिए, विषयों का चुनाव

career concepts although not in the concrete form. This stage becomes the most defining phase as it influences higher studies and career choices later in life. More often than not, the choice of subjects is determined by the marks as also by the parental and peer pressure or the role models. It is therefore crucial to give a road map to the student which is realistic and favorable. In an ideal situation a child should be allowed to choose subjects based on his abilities and interest.

CBSE made a humble effort in this regard by designing the Students Global Aptitude Index (SGAI) to measure a student's aptitude in combination with the interest. The CBSE-SGAI meant for students of secondary classes is optional for schools as well as students. Unlike the conventional Aptitude Tests, which indicate professional orientation the CBSE-SGAI indicates subject orientations at +2 levels.

The first assessment of CBSE-SGAI took place on 22nd January, 2011 in more than 3250 schools across India and abroad with more than 2.5 lakh students participating. The test-batteries, training material, the question booklets, scoring keys and score cards were all designed by CBSE in consultation with various experts in this field and circulated to all the participating schools. CBSE-SGAI is aimed to empower a child with "self knowledge". However, it should be taken only as an indicator or a facilitator, the results of CBSE-SGAI should be taken

सीबीएसई–एसजीएआई के परिणामों को अन्य स्त्रोतों से प्राप्त विद्यार्थी के निर्धारण के आधार पर करना चाहिए।

बोर्ड द्वारा संचालित परामर्श परियोजना लगातार सकारात्मक प्रभाव पैदा कर रही है व अभिभावकों व विद्यार्थियों की चिंतन प्रक्रिया को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष फरवरी व मार्च के दौरान प्रथम चरण में 7333 कॉल प्राप्त हुई। जबकि वर्ष 2011 में उसी समय के दौरान यह संख्या कम होकर 2626 हो गई।

इस वर्ष देश व देश के बाहर 675 नए विद्यालय बोर्ड से सम्बद्ध किए गए। इससे खास तौर पर विदेशों में बसे स्कूलो की आवश्यकताओं के प्रति बोर्ड की प्रतिसंवेदिता भी बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यचर्या अथवा सीबीएसई–आई नाम की एक नई संकल्पना को पिछले वर्ष एक प्रयास के रूप में मध्य पूर्व व दक्षिण एशिया के 9 देशों व 29 विद्यालयों ने प्रारंभ किया था। पहले चरण में इसे कक्षा पहली व 9वीं में ही आरंभ किया गया। इस वर्ष सीबीएसई–आई को दूसरी, छठी व दसवीं कक्षा तक भी बढ़ा दिया गया है। सीबीएसई–आई विस्तृत अधिगम, परिप्रेक्ष्य का विकास, अनुसंधान विन्यास, एसईडब्ल्यूए (कार्य व कार्रवाई से सामाजिक सशक्तिकरण) के अवसर और दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के प्रति अधिक उदार दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसमें भाषाओं के अधिगम में नम्यता और गणित अधिगम के लिए दो स्तरों पर अध्ययन के अवसर हैं। सामाजिक विज्ञान में उन सभी देशों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक परिपेक्ष्यों का समावेश

together with the student's assessment from other sources in making a choice of subjects.

The CBSE counseling project has been consistently creating favorable impact and re-engineering the thinking process of students and parents, alike. The statistics so far have shown that, last year 7,333 distress calls were received during the first phase of counseling i.e. between February and March whereas, the number was reduced to 2,626, during the same period in 2011.

This year 675 new schools of India and abroad were affiliated with the Board. This also enjoins upon the Board, greater responsiveness to the needs of overseas population. With this in view, CBSE launched an international curriculum or CBSE-i last year as a pilot in 29 schools in 09 countries in the Middle East & South Asia. Initially, it was introduced in classes I & IX. This year CBSE-i has been further extended to classes II, VI and X. The CBSE International (CBSE-i) provides opportunities for extended learning, development of perspectives, research orientation, SEWA (Social Empowerment through Work and Action) and a more liberal approach towards Arts Education (both Visual and Performing Arts). It also provides flexibility in learning of languages and an alternative approach to Mathematics learning by providing for its study at two levels. Social Sciences with valuable historical perspectives and components of the

किया गया है जो इसकी अतिरिक्त विशिष्टता हैं। सीबीएसई–आई के कार्यान्वयन के लिए गहन क्षमता निर्धारण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए आरंभिक पर तौर अनर्हक ऑन–लाइन टेस्ट निष्पादन विश्लेषण परीक्षण (पीएटी) संचालित करने का निर्णय लिया गया है। यह परीक्षा मई–जून 2011 में आयोजित करना प्रस्तावित है।

बोर्ड नियमित तौर पर देश के बड़े वाणिज्य विद्यालयों व विश्वविद्यालयों के सहयोग से केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए कई प्रशिक्षण प्रोग्राम आयोजित कर रहा है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गई। प्रधानाचार्यों, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेशज्ञों के बीच अंतःक्रिया ने अध्यापन–अधिगम स्थितियों में विचार व अच्छे व्यवहारों के लिए विनिमय हेतु एक मंच प्रदान किया।

बोर्ड विभिन्न योजनाओं द्वारा शिक्षा में सर्वोत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। विद्यार्थियों को पूरे शैक्षणिक वर्ष में समय–समय पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी और ओलम्पियाडों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया जाता है।

बोर्ड कक्षा 10वीं में एकल बालिका हेतु शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व एआईईईई व एआईपीएमटी के मेद्यावी छात्रों को उनके अवर स्नातक व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए विशेष योजनाएं चलाता है। वर्ष 2010–2011 के दौरान अवर स्नातक छात्रों को 307

countries in which schools are situated are added features. Intensive capacity building programmes have been undertaken for the implementation of CBSE-i. It has also been decided to conduct a Performance Analysis Test (PAT) for students of class IX as a non-qualifying on-line test on a pilot basis. The test is proposed to be held in May-June, 2011.

The Board has been regularly organizing training programmes in collaboration with the leading business schools of the country as well as universities for the enhancing the Leadership skills of the Principals of its affiliated schools. This year too Capacity Building Workshops were organized with National and International Institutes. The Interaction between the Principals and the Resource Persons of National & International repute provided an excellent platform for exchanging ideas and good practices in teaching-learning situations.

The Board promotes excellence in education through various schemes. Students are encouraged to participate in Science Exhibition and various Olympiads conducted from time to time throughout an academic year.

The Board also runs special schemes for promoting the Education of the single girl child in class X, for meritorious students of AIEEE and AIPMT for pursuing their Under-Graduate professional courses. During the year 2010-11, 307 scholarships were awarded

छात्रवृतियाँ प्रदान की गई, जबकि एआईईईई व एआईपीएमटी के मेरिट वाले छात्रों को क्रमशः 356 व 278 छात्रवृतियाँ प्रदान की गई।

अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस महत्वपूर्ण यात्रा में हमें माननीय मानव संसाधन विकास, संचार एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री श्री कपिल सिब्बल जी का आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। उनके सामरिक नेतृत्व में हम विभिन्न नीतियों व कार्यक्रमों को कार्यान्वित व आरंभ करने में सक्षम हुए हैं। मैं मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डा0 (श्रीमती) पूरंदेश्वरी जी, सीबीएसई की नियन्त्रण प्राधिकारी एवं सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता, श्रीमती अंशू वैश्य जी, पूर्व संयुक्त सचिव एस के खुंटिया जी को भी उनके समयानुसार व लगातार सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

पूरे वर्ष हर समय अपने विपुल सहयोग के लिए मेरे सभी सहयोगी व विभागाध्यक्ष भी विशेष उल्लेख के अधिकारी हैं। जन सम्पर्क अधिकारी श्रीमती रमा शर्मा व उनकी पूरी टीम वार्षिक रिपोर्ट का डिजाइन, संकलन एवं सम्पादन करके इसे वर्तमान स्वरूप में लाने हेतु विशेष धन्यवाद की अधिकारी हैं।

दिनांक- 31.03.2011
दिल्ली

विनीत जोशी
अध्यक्ष,
सीबीएसई

to Under-Graduate students, while 356 and 278 scholarships were awarded to the merit holders of AIEEE and AIPMT, respectively.

In this eventful journey towards fulfilling our objectives, the Board is fortunate to be blessed and guided by the Hon'ble Minister for Human Resource Development, Communication and IT, Shri Kapil Sibal Ji. Under his dynamic and strategic leadership, we have been able to formalize and initiate different policies and programmes. I would also like to pay my gratitude to the Minister of State for Human Resource Development, Dr.(Smt) D. Purandeswari Ji, the Controlling Authority of CBSE & Secretary, School Education & Literacy, Smt. Anshu Vaish Ji, the then Joint Secretary (School Education), Dr. S.C. Khuntia Ji, for their timely and continuous support.

All my colleagues and Heads of Departments need a special mention for their unstinted support at all times round the year. Smt. Rama Sharma, Public Relations Officer and her team deserve my sincere appreciation and credit for designing, compiling and editing this Annual Report in its present form.

Date- 31.03.2011
Delhi

Vineet Joshi
Chairman,
CBSE